an>

Title: Need to provide Minimum Support Price to the farmers for paddy crops.

**श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज):** माननीय उपाध्यक्ष जी, आप स्वयं एक किसान हैं, आप देश के अधिकांश राज्यों में सूखे की प्रभावित स्थिति के बारे में जानते हैं। उत्तर प्रदेश में 50 जिले सूखाग्रस्त घोषित किए गए हैं। खरीफ में धान की फसल का जितना उत्पादन होना चाहिए था नहीं हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा मिनिमम सपोर्ट प्राइस 1535 रुपया प्रति क्विंटल घोषित हुआ। आज कहीं भी प्रदेश में धान के क्रय केंद्र न खुलने के कारण किसानों को 900, 950 या 1000 रुपए पर उत्पाद बेचना पड़ रहा है। एक तरफ जब किसान का खेत से उत्पाद निकलता है तो उन्हें औने-पौने दामों पर बेचना पड़ता है और दूसरी तरफ जब वे बाजार में खरीदते हैं तो महंगे दाम पर लेना पड़ता है। सम्मानित सदन में अधिकांश सदस्य किसान प्रतिनिधि हैं, ग्रामीण क्षेत्रों से चुनकर आए हैं। इससे गंभीर कोई समस्या नहीं हो सकती है। किसानों की उपज के मिनिमम सपोर्ट प्राइस पर खरीदने के दायित्व के लिए केंद्र सरकार चाहे राज्य सरकारों को एडवाइजरी दे या निदेश दे कि जो उत्पाद किसान बेचना चाहता है, मिनिमम सपोर्ट प्राइस पर मिलेगा। खरीफ की सबसे महत्वपूर्ण धान की फसल है, इसकी खरीद नहीं हुई। मेरा अनुरोध है कि इस मामले में कम से कम केंद्र सरकार राज्य सरकार को निदेश दे।

HON. DEPUTY-SPEAKER: Shri Keshav Prasad Maurya, Shri Bhairon Prasad Mishra, Shri Md. Badaruddoza Khan and Shri Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Jagdambika pal.